Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APMA–351

M.A. (Previous) Examination, 2023

PHILOSOPHY

Paper - I

[Indian Philosophy (Epistemology and Metaphysics)]

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. Define the following terms :

   निम्नलिखित पदों को परिभाषित कीजिए :

   (i) Svatahpramanyavada

   स्वत:प्रामाण्यवाद

   (ii) Nirvikalpak Pratyaksha

   निर्विकल्पक प्रत्यक्ष

   (iii) Arthāpatti Pramāna

   अर्थापत्ति प्रमाण

   (iv) Svaprakasatva

   स्वप्रकाशत्व

   (v) Akhyati

   अख्यति

   (vi) Jiva

   जीव

   (vii) Bandhan

   बंधन

   (viii) Nairatmyavada

   नैरात्मयवाद

   (ix) Asatkāryavāda

   असत्कार्यवाद

   (x) Jivenmukti

   जीवनमुक्ति

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Write a note on source of knowledge.

   ज्ञान के स्रोत पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. What is nature of Upmana according to Mimamsa Philosophy ?

   मीमांसा दर्शन के अनुसार उपमान का स्वरूप क्या है ?

4. Distinguish between Prama, Pramata and Pramanya.

   प्रमा, प्रमाता तथा प्रमाण्य में भेद कीजिए।

5. Discuss the nature of Atman in Indian Philosophy.

   भारतीय दर्शन के अनुसार आत्मा के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

6. Explain the nature of Moksha according to Sankhya Philosophy.

   सांख्य दर्शन के अनुसार मोक्ष के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

7. What is the role of God in the world views of various classical system in Indian Philosophy ? Discuss.

   भारतीय दर्शन के विभिन्न शास्त्रीय सिद्धान्तों में जगत् है दृष्टिकोण में ईश्वर की क्या भूमिका है ? व्याख्या कीजिए।

8. Describe 'Pramanyavādā' in detail.

   'प्रमाण्यवाद' के स्वरूप की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

9. What is meant by invalid perceptual cognition ? Critically discuss Sathkhyati, Asatkhyati and Sadasatkhayati.

   ख्याति से क्या तात्पर्य है ? सद्ख्याति, असद्ख्याति एवं सदासद्ख्याति की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

10. How does Sankhya refute the Asatkaryavada of Nyaya and establish the theory of causality as Satkaryavada ?

सांख्य न्याय के असत्कार्यवाद का खण्डन किस प्रकार करता है और कारणता के सिद्धान्त के रूप में सत्कार्यवाद की स्थापना किस प्रकार करता है ?

11. Discuss the nature of Ishwar (God) as per Madhavacharya and show how is it different from concept of Brahma of Shankaracharya ?

माध्वाचार्य के अनुसार ईश्वर (ब्रह्म) के स्वरूप की विवेचना कीजिए एवं बताइए कि वे शंकर के ब्रह्म सिद्धान्त से कैसे भिन्न है ?

12. Discuss the means of Mokasha according to various schools of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन के विभिन्न संप्रदायों के अनुसार मोक्ष के अर्थ की विवेचना कीजिए।